॥ माँ कमला स्तुति ॥

कमल पुष्प पर बैठी, शांत और विहँसती

कमल पुष्प पर बैठी, शांत और विहँसती

कनक कांति, ऐश्वर्य स्वरूपा, पद्मा, पद्मालया, माँ कमला…!

चार भुजाएँ जिनमें, वर मुद्रा, कमल युगल, अभय मुद्रा

साधक को दें समस्त संपदा, माँ कमला…!!

हमअकिंचन, कैसे जियें सुख शांति से

हम आये आपकी शरण में, हम पर भी कर दो कृपा

माँ कमला…!!

paramsoul.com